Date
1/05/2020

Subject - Gender, School and Society

B.Ed. 2nd year

Ch - 1st, Topic - (Gender Stereotype)

(Gender Stereotype)

जेन्डर स्टीरियोटाइप

जेन्डर स्टीरियो टाइपिंग से तात्पर्य किसी एक जेन्डर से कुछ व्यवहारों को जोड़ देना है तथा ऐसा माना जाता है कि कुछ विशेषताएँ तथा गुण पुरुष के लिए उपयुक्त है तथा कुछ स्त्रियों के लिए।

जेन्डर स्टीरियोटाइप की घटना तब होती है जब किसी एक जेन्डर से निश्चित विशेषताएँ, विचार तथा भूमिका जोड़ दी जाती है।

प्रत्येक समाज मे हर जगह देखे जा सकते है जो आदमी तथा औरत की प्रतिदिन की छवि को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने वाले होते है। विभिन्न सामाजिक संस्थाओ जैसे - परिवार, स्कूल तथा मीडिया द्वारा निरन्तर सुदृढ़ किया जाता रहता है।

"स्टीरियोटाइप एक लेबल है जिसमे वर्गीकरण करना तथा मूल्यांकन सम्मिलित होता है।"

जेन्डर स्टीरियोटाइप को सामाजिक समूहो के रूप मे प्रस्तुत किया जाता है। साधारणतः इसमे सामान्यतः नकारात्मक विशेषताएँ पूरे समूह से सम्बन्धित मान ली जाती है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

सामान्य जेन्डर स्टीरियोटाइप

प्रत्येक लिंग को परिभाषित करने के लिए बहुत सारे लिंग स्टीरियोटाइप है। महिलाओं से जुड़े सामान्य गुण तथा स्टीरियोटाइप लिंग भूमिकाएं निम्नवत है।

1 आज्ञाकारिता 2 भावुक 3 शान्त 4 स्वच्छ 5 अनाड़ी 6 कलात्मक 7 गृहिणी 8 बच्चो को पालने वाली 9 पोषण करने वाली 10 तार्किक 11. अयथार्थवादी

इसके विपरीत पुरूषों से जुड़े लिंग स्टीरियोटाइप उन्हे मजबूत, मर्दाना तथा सक्षम दिखाने से सम्बन्धित पुरूषों से निम्न गुण जुड़े हैं —

1.) आक्रामक, 2.) जोरदार, 3.) भावुक नही, (No Emotions) 4.) अस्त-व्यस्त, 5.) खिलाड़ी, 6.) गणितीय तथा वैज्ञानिक क्षमतायुक्त 7.) उच्चपदस्थ, 8.) तार्किक, 9.) पैसा कमाने वाले, 10.) यथार्थवादी, 11.) स्तरीय,

अतः समाजशास्त्रियों के अनुसार, लिंग स्टीरियोटाइप एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत बच्चो को उनकी सेक्स भूमिकाओ मे ढाला जाता है तथा जिसके कारण वयस्क तथा बच्चे अपने व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं से वंचित कर दिए जाते है।

Nidhi Tyagi
11.05/2020